Model: Duastro-House-Astrology

SrNo: 115-120-105-3261 / 66 Date: 12/01/2024

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	08:00:49 घटी
स्थान	**london**
देश	United Kingdom

अक्षांश	57:09:00 उत्तर
रेखांश	02:06:00 पश्चिम
मध्य रेखांश	00:00:00 पश्चिम
स्थानिक संस्कार	-00:08:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:51:36 घंटे
वेलान्तर	-00:03:25 घंटे
साम्पातिक काल	18:34:24 घंटे
सूर्योदय	08:47:40 घंटे
सूर्यास्त	15:36:30 घंटे
दिनमान	06:48:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:46:29 धनु
लग्न के अंश	03:19:58 मेष

चैत्रादि संवत / शक	2055 / 1920
मास	पौष
पक्ष	शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	15
तिथि समाप्ति काल	26:49:34
जन्म तिथि	15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल	09:04:43 घंटे
जन्म नक्षत्र	आर्द्रा
सूर्योदय कालीन योग	ब्रह्म
योग समाप्ति काल	24:32:09 घंटे
जन्म योग	ब्रह्म
सूर्योदय कालीन करण	विष्टि
करण समाप्ति काल	16:07:55 घंटे
जन्म करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मेष – मंगल
राशि–स्वामी	**मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	**आर्द्रा – 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू–कुणाल
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

घात चक्र

मास	आषाढ़
तिथि	2-7-12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
वर्ग	मूषक
लग्न	कर्क
सूर्य	मीन
चन्द्र	कुम्भ
मंगल	मेष
बुध	मकर
गुरु	वृष
शुक्र	मिथुन
शनि	कुम्भ
राहु	कर्क

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:19:58	1033:32:22	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	———
सूर्य			धनु	16:46:29	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	08:26:35	14:34:53	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	24:47:21	00:29:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:07:45	01:24:09	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:10:25	00:08:51	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	02:10:09	01:15:12	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:06	00:00:19	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:58:02	00:06:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:58:02	00:06:33	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:08:34	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	———
नेप			मक	07:14:11	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	———
प्लूटो			वृश्चि	15:17:29	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	———
दशम भाव			धनु	14:03:08	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न–चलित

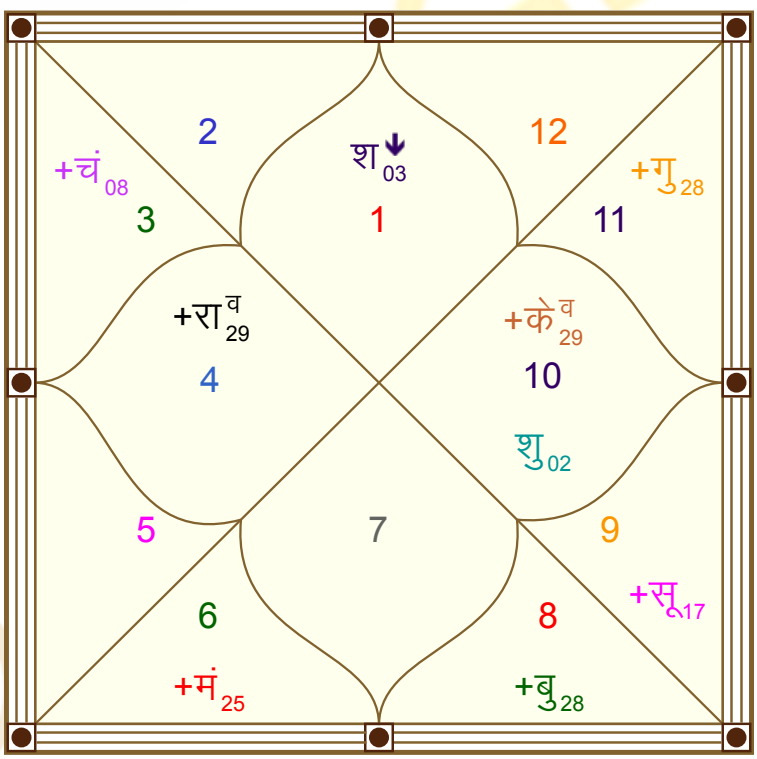

चन्द्र कुंडली

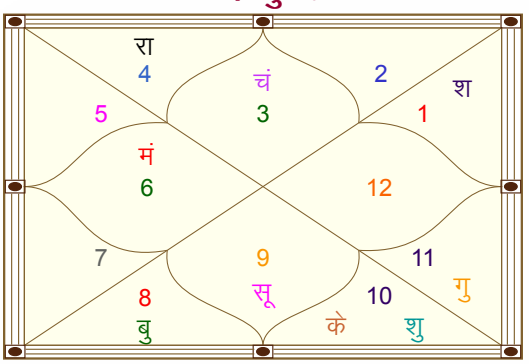

नवमांश कुंडली

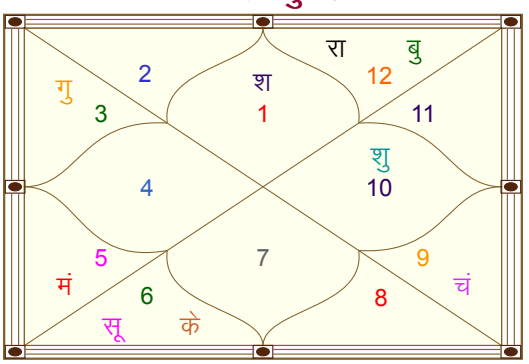

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। सामान्यतया मेष लग्न में उत्पन्न जातक साहसी पराक्रमी तेजस्वी तथा परिश्रमी होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में वांछित मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ रहते हैं। ये अत्याधिक सक्रिय एवं क्रियाशील होते है तथा अपने इन्हीं गुणों से जीवन में इच्छित उन्नति प्राप्त करते है।

अतः इस लग्न के प्रभाव से आप साहसी परिश्रमी तथा पराक्रमी पुरूष होंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम एवं निर्भयता से सम्पन्न करेंगे। आप में स्वाभिमान का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा स्वपरिश्रम तथा योग्यता से जीवन में मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे।

आपके स्वभाव में प्रारंभ से ही तेजस्विता का भाव विद्यमान रहेगा फलतः यदा कदा आप अनावश्यक क्रोध एवं चंचलता का प्रदर्शन करेंगे। जीवन में आपको जन्म भूमि के अतिरिक्त अन्य स्थान में सफलता एवं उन्नति प्राप्त होगी तथा वहीं आपका जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही सांसारिक सुखोपभोग के साधनों को भी आप परिश्रम पूर्वक अर्जित करके सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे।

लग्न में शनि की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा समय समय पर मानसिक व्याकुलता भी बनी रहेगी। यद्यपि आपको जीवन में काफी समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा परन्तु अपने परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प शक्ति के द्वारा आप इनका सामना तथा समाधान करने में समर्थ होंगे। आपकी प्रवृति में उदारता तथा सहिष्णुता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अवसरानुकूल अन्य जनों को आप अपना सहयोग प्रदान करेंगे। जिससे आपके प्रति लोगों के मन में आदर का भाव उत्पन्न होगा।

आपके सांसारिक कार्य यद्यपि विलम्ब से सिद्ध होंगे परन्तु गौरव एवं सम्मान बना रहेगा। कार्य क्षेत्र में आपको परिश्रम से उन्नति प्राप्त होगी तथा सामाजिक जनों के मध्य भी समय समय पर मान सम्मान मिलता रहेगा। आपको अपनी प्रवृति का अन्य जनों के समक्ष सादगी पूर्ण प्रदर्शन करना चाहिए तथा इसमें अनावश्यक दिखावे का समावेश नहीं होना चाहिए। इस प्रकार से जीवन में आपको इच्छित सुखैश्वर्य एवं वैभव की प्राप्ति होगी।

इस प्रकार आप एक परिश्रमी, तेजस्वी, कार्य निकालने में चतुर परन्तु मन्द गति से कार्य करने वाले होंगे तथा जीवन में आवश्यक सुखों का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त सांसारिक सुखों तथा धनऐश्वर्य का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे साथ ही किसी संबंधी की सम्पत्ति आदि को भी प्राप्त कर सकते है क्योंकि अपने नजदीक के संबंधियों के प्रति आपके मन में हमेशा सद्भावना रहेगी तथा सुख दुख में आप उनकी सेवा तथा सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। बागवानी के प्रति भी आपके मन में रूचि रहेगी तथा समय समय पर आप इस रूचि का प्रदर्शन करते रहेंगे।

आपका पारिवारिक सुख उत्तम रहेगा तथा शान्ति एवं आनन्द पूर्वक परिवार के मध्य आपका समय व्यतीत होगा। सामाजिक जनों के मध्य भी आप एक सम्माननीय पुरूष रहेंगे तथा सभी लोग आपको यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप स्वभाव से उदार तथा भावुक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा मिष्ठान भक्षण के प्रति आपकी तीव्र रूचि रहेगी। साथ ही अपने सम्भाषण में हमेशा मधुर शब्दों का प्रयोग करेंगे। इसके अतिरिक्त वाहन तथा बहुमूल्य रत्नों को भी आप जीवन में प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। इसके प्रभाव से आपकी स्मरण शक्ति अच्छी रहेगी तथा किसी वस्तु को एक बार देखकर या सुनकर आप चिरकाल तक उसे नहीं भूलेंगे। साथ ही आप शीघ्र ही किसी कार्य प्रणाली को हृदयगम कर सकते है। आप उच्च शिक्षा, नीति, शास्त्र आदि में सफलता प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा लेखन आदि क्षेत्र में भी ख्याति प्राप्त कर सकते है। आपके भाई बहिनों से मधुर संबंध रहेंगे तथा उनको सुख एवं सहयोग प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

आप एक बुद्धिजीवी प्राणी होंगे तथा शारीरिक बल की अपेक्षा बौद्धिक कार्य ही अधिक सम्पन्न करेंगे। अतः समाज में एक बुद्धिमान व्यक्ति के रूप में आपकी पहचान बनी रहेगी। आप एक बहादुर एवं साहसी पुरूष होंगे तथा कलम की ताकत भी आपके पास रहेगी। अतः किसी उच्च अधिकारी या नेता के विरूद्ध आप साहस पूर्वक कुछ भी लिख सकते है। आप एक स्पष्टवादी पुरूष होंगे तथा स्पष्ट रूप से अपनी राय अन्य जनों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। संचार के सभी साधनों से आप युक्त रहेंगे तथा सूचना केन्द्रों में आप कार्यरत भी हो सकते है। जैसे डाकखाना, दूर भाष केंद्र , दूर संचार विभाग। आप संगीत प्रिय होंगे तथा वाद्य यंत्रों के उपयोग से आपको आनन्द प्राप्त होगा। समीपस्थ यात्राओं से आपको लाभ होगा तथा ऐसी यात्राओं से आपको महत्वपूर्ण स्मृतियां भी प्राप्त हो सकती हैं। कला के क्षेत्र में भी आपकी इच्छा रहेगी परन्तु समाचार पत्र के संपादक या संवाद दाता के रूप में कार्य करना आपके लिए अधिक लाभदायक रहेगा। इसके अतिरिक्त आप वाहन आदि से युक्त रहेंगे तथा पत्नी के प्रति आपके मन में निश्चल प्रेमभावना रहेगी। साथ ही हृदय में उदारता रहेगी एवं सत्य का आप पालन करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने कुल में प्रधान रहेंगे तथा सज्जन लोगों से सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है तथा राहु भी चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से जीवन में सुख संसाधनों से आप युक्त होंगे तथा स्वपरिश्रम एवं योग्यता से इन्हें अर्जित करेंगे। यद्यपि इनको अर्जित करने में आपको कई बार समस्याओं एवं परेशानियों का भी सामना करना पड सकता है एवं इनकी प्राप्ति में विलम्ब भी हो सकता है क्योंकि सुख भाव में राहु लग्नेश की राशि में स्थिति है। अतः आधुनिक भौतिक सुख साधनों एवं ऐश्वर्य का आप अवश्य उपभोग करेंगे भले ही इसमें आपको विलम्ब का सामना करना पड़े।

राहु की स्थिति चन्द्रमा की राशि में चतुर्थ भाव में होने के कारण जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे परंतु इसमें न्यूनाधिक विलम्ब की संभावना होगी। लेकिन आप परिश्रमी व्यक्ति है। अतः स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से आप सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगे। लेकिन आपको विवादित सम्पत्ति से हमेशा दूर ही रहना चाहिए क्योंकि इसके क्रय–विक्रय से आपका ऐसी सम्पत्ति से संबंधित होने पर अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

जीवन में आपका अपने घर विलम्ब से ही होगा परंतु सुख सामान्यता अच्छा रहेगा तथा अच्छे मकान में निवास करेगे चाहे वह किराये का ही क्यों न हो। आप किसी धनाढ्य क्षेत्र में मकान को निर्माण करेंगे तथा आपके पडोसी या कालोनी के लोग धनाढ्य एवं शिक्षित होंगे लेकिन आपसी संबंधों में औपचारिकता का भाव ही अधिक होगा। साथ ही वाहन सुख भी अवसरानुकूल प्राप्त होगा।

आपकी माता जी तेजस्वी स्वभाव की शिक्षित महिला होंगी तथा आधुनिक एवं पाश्चात्य संस्कृति की पक्षधर होंगी। पारिवारिक जनों के प्रति उनका दृष्टिकोण अनुकूल होगा तथा अपना नियंत्रण रखेगी। आपके प्रति भी उनका वात्सल्य पूर्ण दृष्टिकोण होगा एवं उनसे नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति सम्मान एवं श्रद्धा का भाव रखेंगे तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे परंतु आप दोनो के मध्य वैचारिक भिन्नता रहेगी जिससे यदा कदा संबंधो में मधुरता में कमी आएगी। अतः ऐसी स्थिति की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

शिक्षा के क्षेत्र में परीक्षाएं आप परिश्रम से ही उतीर्ण करेंगे तथापि प्रारंभिक कक्षाओं में आपको अच्छी सफलता मिलेगी लेकिन अन्य कक्षाओं में प्रतिशत अंकमें कमी आ सकती है जिससे स्नातक परीक्षा आप अत्यधिक परिश्रम से उतीर्ण करेंगे लेकिन तकनीकी शिक्षा आपके लिए लाभदायक होगी। अतः स्नातक की अपेक्षा यदि आप तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में ही अध्ययन करें तो आपको इच्छित सफलता मिलेगी तथा आपका परिश्रम भी रंग लाएगा एवं मानसिक असंतुष्टि से भी सुरक्षित होंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

चतुर्थभाव मनुष्य की कुंडली में हृदय का स्थान माना गया है। इस भाव में नैसर्गिक पाप ग्रह राहु की स्थिति के प्रभाव से आयु में वृद्धि के साथ साथ आपको हृदय संबंधी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही रक्त चाप की भी संभावना है। अतः युवावस्था से ही आपको खान पान पर नियंत्रण रखना चाहिए जिससे भविष्य में आपको अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

DUASTRO

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा अपनी बुद्धिमता से समस्त सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। इससे आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर तो होंगे ही साथ ही सामाजिक जनो में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा वे आपकी बुद्धिमता का आदर करेंगे। आपकी बुद्धि व्यावहारिक होगी तथा शीघ्र एवं व्यावहारिक रूप से किसी भी समस्या का समाधान करने में समर्थ होंगे। वैदिक शास्त्रों एवं साहित्य में आपकी रूचि कम होगी परंतु आधुनिक शास्त्रों के प्रति विशेष लगाव होगा तथा इसके ज्ञानार्जन में तत्पर होंगे जिससे आपकी विद्वता समाज में दूर दूर तक व्याप्त होगी।

पंचमभाव में सिंह राशि के प्रभाव से आप एक व्यावहारिक व्यक्ति होंगे तथा भावुकता के भाव की आप में न्यूनता होगी। प्रेम प्रसंगों में आपकी विशेष रूचि कम ही होगी तथापि यदि कोई प्रसंग चला भी तो इसमें आप आदर्शवादिता एवं मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखेंगे क्यों कि आप स्वाभिमानी एवं आदर्शवादी व्यक्ति है। इससे आपका प्रेम प्रसंग विवाह में भी परिवर्तित हो सकता है लेकिन प्रेम में भावुकता को कोई स्थान नहीं देंगे।

जीवन में आपको सन्तति का सुख अवश्य प्राप्त होगा तथा पुत्र की भी विलंब से परंतु निश्चित प्राप्ति होगी। आपकी संतति संख्या अल्प ही होगी तथा सभी योग्य कुशल परिश्रमी एवं बुद्धिमान होंगे। माता की अपेक्षा पिता से बच्चों का अधिक लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए पिता पर अधिक निर्भर होंगे तथापि दोंनो को पूर्ण सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता पिता की अवश्य सलाह लेंगे। अतः बच्चों से आप सुखी एवं संतुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

अध्ययन के प्रति बच्चों की प्रारंभ से ही रूचि होगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में वे वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त करेंगे। वे तेजस्वी बुद्धिमान एवं व्यावहारिक होंगे तथा अन्य सामाजिक जनों, समीपरस्थ संबंधियों एवं मित्रवर्ग के मध्य अपना प्रभाव स्थापित करने में समर्थ होंगे जिससे वे सबके स्नेह एवं आदर के पात्र होंगे। बच्चों के इनगुणों से आप भी अभिभूत होंगे तथा स्वयं को गौरवान्वित महसूस करेंगे। इसके अतिरिक्त वृद्धावस्था में बच्चे आपका पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में कन्या राशि उदित हो रही थी। जिसका स्वामी बुध है चूंकि यह भाव रोग का प्रतिनिधित्व करता है। अतः इसके प्रभाव से आप नाक कान तथा गले आदि के कष्ट से परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। साथ ही आप में सहन शक्ति के भाव की भी यदा कदा अल्पता रहेगी एवं चर्म रोगों से आपको परेशानी होगी ।

आपको क्रोध एवं उत्तेजना पर हमेशा नियंत्रण रखना चाहिए अन्यथा इसके दुष्प्रभाव से आपके मित्रों की संख्या में कमी आएगी तथा विरोधी पक्ष में वृद्धि होगी। साथ ही बन्धु वर्ग तथा अन्य संबन्धी आप के लिए छिपकर षडयंत्र भी कर सकते हैं। सरकार या पड़ोसियों से भी आपको शत्रुता का सामना करना पड़ सकता है। अतः आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें तथा किसी अन्य की अनावश्यक आलोचना न करें एवं सहनशीलता बनाएं रखें। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपको जीवन में अनावश्यक शत्रुओं एवं समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

आपके लिए धन सम्बन्धी झगड़े या मुकद्दमे अनुकूल नहीं रहेंगे। अतः ऐसे मामलों की यत्न पूर्वक उपेक्षा ही करें। सेवक वर्ग की आपको प्रबल आवश्यकता रहेगी लेकिन इनसे आपको समय समय पर धन एवं अन्य प्रकार से हानि होती रहेगी अतः नौकरों का अत्यधिक सावधानी से चयन करें। साथ ही ऋण आदि लेने की भी आपको उपेक्षा करनी चाहिए यदि आपकी प्रवृत्ति इस ओर रही तो आप काफी समय तक ऋण के भार से दबे रहेंगे। बचपन में मामा तथा मामी से आपको सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त खान पान में तेज मसालों आदि का भी परहेज रखना चाहिए अन्यथा इससे उदर या गुर्दे सम्बन्धी परेशानी उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग का आप दमन करेंगे परन्तु स्त्रियों के प्रति आसक्ति में आपका धन व्यय हो सकता है अतः सतर्क रहें।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है सामान्यतया तुला राशि चंचल, भ्रमण प्रिय, प्रियवक्ता तथा माता पिता एवं गुरू जनों पर श्रद्धा रखने वाली होती है। यह वायुतत्व राशि है जिससे जातक सौम्य एवं गंभीर स्वभाव का होता है। लेकिन मंगल नैसर्गिक रूप से तेजस्वी पराक्रमी साहसी एवं अग्नितत्व ग्रह है तथा तुला राशि में स्थित होने के कारण जातक की प्रबल कामेच्छा रहती है।

अतः इनके प्रभाव से आपकी पत्नी का स्वभाव सौम्यता के साथ साथ तेजस्वी भी होगा तथा अवसरानुकूल वे इस भाव का प्रदर्शन करेंगी। साथ ही साहस एवं पराक्रम का भाव भी उनमें विद्यमान रहेगा। सांसारिक कार्यो में वह दक्ष होंगी एवं परिवार तथा समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी। पाक शास्त्र के प्रति उनकी विशेष रूचि रहेगी तथा उनके द्वारा बनाए गए स्वादिष्ट व्यंजन सबको प्रिय लगेंगे।

आपकी पत्नी लालिमा लिए गौर वर्ण की महिला होंगी तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा तुला राशि के प्रभाव से उनके सौंदर्य में प्रबल आकर्षण रहेगा तथा इसमें वृद्धि करने के लिए वह आधुनिक सौंदर्य प्रसाधनों का भी उपयोग करेंगी। साथ ही शारीरिक स्वस्थता एवं अंगों की पुष्टता के लिए वे व्यायाम या यौगिक क्रियाएं भी सम्पन्न करेंगी। अग्नि तत्व ग्रह मंगल के प्रभाव से उनकी शारीरिक संरचना में पतलापन रहेगा परन्तु आकर्षण में कोई कमी नहीं आएगी।

सप्तम भाव में तुला राशि के प्रभाव से आपका विवाह यथा समय सम्पन्न होगा। आपका विवाह विज्ञापन या किसी समीपी संबंधी के सहयोग से सम्पन्न होगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देंगे। इससे जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपका विवाह समृद्ध परिवार में होगा तथा ससुराल पक्ष के लोग धनऐश्वर्य से सुसम्पन्न होंगे । तथा समय समय पर उनसे आर्थिक एवं नैतिक सहयोग मिलता रहेगा आपके आपसी संबंधों में विशेष मधुरता रहेगी ।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी का विशेष सेवा एवं सम्मान का भाव होगा तथा बहू के रूप में जितनी सेवा या सुख उन्हें देना चाहिए देंगी जिससे उनसे संबंधों में मधुरता रहेगी साथ ही देवर एवं ननदों से भी मधुर स्वभाव के कारण मैत्री पूर्ण संबंध बनेंगे।

व्यापार या अन्य योजनाओं में साझेदारी की दृष्टि से आप के लिए स्थिति अनुकूल होगी तथा इससे आपको लाभ एवं उन्नति मिलेगी। अतः साझेदारी के कार्यो को आप सम्पन्न कर सकते है।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। इसके प्रभाव से आप एक व्यवहारिक व्यक्ति होंगे तथा ज्यौतिष या तंत्र मंत्र आदि पर आपका विश्वास अल्प ही रहेगा तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आप भाग्यशाली रहेंगे तथा जमीन जायदाद मुकद्दमे या अन्य किसी भी प्रकार से आपको विशिष्ट लाभ होता रहेगा। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या किसी समीपस्थ संबन्धी के द्वारा भी आपकी जायदाद में वृद्धि होने की संभावना रहेगी। साझेदार या पत्नी के द्वारा भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ होगा। आप यद्यपि घर से पूर्ण सुसम्पन्न व्यक्ति होंगे तथापि शादी के समय भी आप दहेज नकदी या आभूषण आदि को भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।

जीवन में आपके घर में चोरी आदि की संभावनाएं अल्प रहेंगी यदि कोई ऐसी घटना घटेगी तो यह सामान्य रहेगी अतः इसके विषय में आपको अधिक चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथापि सावधानी वश आपको अपनी बहुमूल्य वस्तुओं को किसी सुरक्षित स्थान में रखना चाहिए। आपको अपने घर या कार आदि का बीमा अवश्य कराना चाहिए क्योंकि इनसे आपको पूर्ण लाभ होने की संभावना रहेगी। दीर्घावधि बीमा की अपेक्षा लधु अवधि बीमा कराने से अधिक लाभ होगा। सामान्यतया आप उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे परन्तु वाहन चलाते समय आपको गति पर पूर्ण नियंत्रण रखना चाहिए तथा ध्यान से सवारी चलानी चाहिए अन्यथा सामान्य दुर्घटना घट सकती है। इसके अतिरिक्त आप की आयु अच्छी रहेगी तथा सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक आप जीवन व्यतीत करेंगे।

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे तथा समय समय पर धार्मिक कार्य कलापों को सम्पन्न करते रहंगे। साथ ही तीर्थ स्थानों की यात्रा करने की भी आपके मन में रूचि बनी रहेगी। आप प्रतिदिन न्यूनाधिक समय दैनिक पूजापाठ पर अवश्य व्यतीत करेंगे। समाज में धर्म के क्षेत्र में आप कई कार्यो को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मोपदेशक के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। ईश्वर के प्रति आपकी पूर्ण आस्था रहेगी तथा आपके विचार से बिना उसकी इच्छा के कुछ भी कार्य होना असम्भव सा है। साथ ही आप कर्म की अपेक्षा भाग्य पर अधिक विश्वास करने वाले व्यक्ति होंगे।

आपके पास अन्तर्प्रज्ञा शक्ति भी विद्यमान रहेगी। अतः अपने विषय में आपको पूर्वाभास हो सकता है। आप धार्मिक क्षेत्र में उच्च शिक्षा अर्जित करने के भी इच्छुक रहेंगे साथ ही लम्बी तीर्थ यात्राओं को भी जीवन में सम्पन्न करेंगे। अपने जीवन में आपको सामाजिक तथा कार्य क्षेत्र में इच्छित सफलता एवं ख्याति प्राप्त होगी तथा लोग आपसे प्रभावित रहेंगे तथा आपको इच्छित मान प्रदान करेंगे। आपके विचार से जीवन में मनुष्य को जो भी शुभ या अशुभ फल प्राप्त होते है वे सब पूर्व जन्म में किए गए कार्यो का फल है अतः आंतरिक रूप से आपकी सन्तुष्टि बनी रहेगी पौत्रों से आपको इच्छित सुख एवं आनन्द की प्राप्ति होगी। साथ ही ज्योतिष या तंत्र मंत्र में भी आपकी रूचि रहेगी तथा इसका ज्ञान भी रहेगा। इसके अतिरिक्त आप धर्मानुपालन में तत्पर, देवता एवं ब्राह्मणों के सेवक महात्माओं की आज्ञा का पालन करने वाले तथा परम्परागत धर्म से समाज में प्रसिद्धि प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्मलग्न में दशम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। साथ ही शुक्र भी मित्र राशि में स्थित होकर दशमभाव में ही स्थित है। मकरराशि भूमितत्व युक्त तथा शुक्र जलतत्व युक्त ग्रह है। अतः इसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र श्रम साध्य होगा परंतु बौद्धिकता का भाव भी बना रहेगा। साथ ही आप व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में काफी बदलाव की इच्छा रखेंगे। चूंकि आप एक बुद्धिमान व्यक्ति है अतः जो भी परिवर्तन करेंगे उससे आपको लाभ की ही प्राप्ति होगी।

द्वितीयेश एवं सप्तमेश शुक्र के दशमभाव में स्थिति के प्रभाव से आपकी आजीविका का क्षेत्र कला, संगीत, सिनेमा, दूरदर्शन–विभाग, इलैक्ट्रोनिक्स, न्याय विभाग यथा न्यायधीश वकील सचिव सलाहकार फिल्म निदेशक या कलाकार के रूप में प्रारम्भ कर सकते हैं। यदि आप उपरोक्त क्षेत्रों या संबंधित विभागों में अपनी आजीविका क्षेत्र का चयन करेंगे तो इसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी एवं उन्नति के मार्ग पर बिना किसी समस्या एवं व्यवधान के अग्रसर होंगे। शनि की राशि में शुक्र के प्रभाव से आप राजनीति के क्षेत्र में भी सफलता प्राप्त कर सकते है।

व्यापारिक क्षेत्र में अपना व्यवसाय प्रारम्भ करेने के लिए आपको चांदी सोना रत्न आदि का व्यापार दूध दही गुड़ आदि का व्यापार, चतुष्पद या वाहन संबंधी क्रय विक्रय आंलकारिक एवं मूल्यवान वस्त्र, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री तथा आयात निर्यात संबंधी यथा वस्त्रों का कार्य, शराब का व्यापार आदि लाभ दायक रहेगा एवं यदि आप ऐसे क्षेत्रों में अपने कार्यक्षेत्र या व्यापार को प्रारम्भ करेंगे तो इससे आपको जीवन में इच्छित लाभ एवं धनार्जन होगा तथा अपने स्तर की वृद्धि करने में समर्थ होंगे।

शुक्र की मित्र राशि में दशम भावस्थ स्थिति के प्रभाव से आप जीवन में किसी उच्च एवं अधिकारिक पद को प्राप्त करने में समर्थ होंगे। साथ ही समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा भी बनी रहेगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापारिक क्षेत्र में आप अपना आदरणीय स्थान स्थापित करने में समर्थ होंगे। साथ ही आप किसी मान्यता प्राप्त संस्था के कोई पदाधिकारी भी बन सकते है तथा कई सम्मानीय एवं अधिकार प्राप्त लोगों से आपके सम्पर्क बनें रहेंगे।

आपके पिताजी एक बुद्धिमान एवं विनम्र स्वभाव के व्यक्ति होंगे तथा कलात्मकता के प्रति उनके मन में विशेष सम्मान होगा। साथ ही अपने आकर्षक व्यक्तित्व एवं अन्य कार्य कलापों से वे अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ होंगे तथा समाज में आदरणीय समझें जाएंगे। आपके प्रति उनके मन में पूर्ण स्नेह का भाव रहेगा एवं आपकी उन्नति के लिए वे प्रारम्भ से ही प्रयत्नशील रहेंगे फलतः आपको इच्छित शिक्षा प्रदान करेंगे एवं शिक्षा के स्तर में वृद्धि करने के लिए किसी भी प्रकार की कमी नहीं करेंगे। उनके प्रभाव से भी आपको समाज में मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त आप भी उन्हें पूर्ण सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी आज्ञा का

ONLINE POOJA || ONLINE PREDICTION || ASTROLOGY PRODUCTS || CALL ASTROLOGER || DAILY HOROSCOPE

पालन में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी तथा किसी भी प्रकार की आपस में समस्याएं नहीं होंगी।

DUASTRO

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है अतः इसके प्रभाव से आप सौभाग्य से युक्त रहेंगे तथा आपकी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूर्ण होती रहेंगी। आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा आपकी कई इच्छाएं मन में विद्यमान रहेंगी तथा अन्य जनों की अपेक्षा आप की महत्वाकांक्षाएं यथा समय पूर्ण होंगी। आपके आय स्रोतों में स्वतः वृद्धि होती रहेगी तथा इनमें आपको अधिक परिश्रम नहीं करना पड़ेगा। अतिरिक्त आय स्रोतों के लिए आप मूल संबन्धी व्यापार लकड़ी या पेट्रोलियम पदार्थों के कार्य से इच्छित लाभ अर्जित कर सकते है।

आपकी मित्रता स्थाई रहेगी तथा मित्रों की संख्या भी अल्प ही रहेगी जिसमें आपको हार्दिक प्रसन्नता मिलेगी एवं उनसे भी यथा समय यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। अपने से अधिक आयु के लोगों से मित्रता आदि संबंध स्थापित करने से आपको इच्छित लाभ होगा क्योंकि अपनी आयु की अपेक्षा अधिक आयु के लोगों को समझना आपके लिए आसान रहेगा। प्रौढ़ या वृद्धावस्था में मित्रों के मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा वे सभी आपको अपना पथ प्रदर्शक समझेंगे।

आपके अंदर सामाजिकता की भावना हमेशा विद्यमान रहेगी तथा सामूहिक मनोरंजन में आपको मानसिक सन्तुष्टि प्राप्त होगी। समाज में आप एक प्रतिष्ठित तथा आदरणीय पुरूष समझें जाएंगे तथा कोई भी व्यक्ति आपके विरूद्ध सत्य असत्य बात कहने के लिए तैयार नहीं होगा तथा आपके सभी आभारी रहेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग सामान्य मात्रा में ही प्राप्त होगा परन्तु बहिनों से यदा कदा विशिष्ट लाभ या सहयोग मिल सकता है। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपके बाऐं कान में कोई परेशानी होगी परन्तु इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप आर्थिक मामलों में प्रारंभ से ही भाग्यशाली रहेंगे लेकिन समय के साथ ही आप बिना सोचे समझे कई बार मुक्त हाथों से व्यय करेंगे इससे आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप बुद्धिमता पूर्वक योजना बनाकर व्यय करेंगे तो आप आर्थिक परेशानियों से सुरक्षित रह सकते है।

आप स्वभाव से ही धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होंगे अतः धार्मिक कार्य कलापों तीर्थ यात्राओं मन्दिर निमार्ण आदि कार्यो या परोपकार संबंधी कार्यो पर समय समय पर व्यय करते रहेंगे। बच्चों की आप पूर्ण चिन्ता करेंगे तथा उनके रहन सहन पठन पाठन का विशेष ध्यान रखेंगे तथा उन पर यथोचित व्यय करने के लिए तत्पर रहेंगे। आप उन्हें अच्छे स्कूलों तथा कालेजों में प्रवेश दिलाने के परम इच्छुक रहेंगे। साथ ही आपके मित्र एवं संबंधी भी अधिक होंगे। अतः समय समय पर इन पर भी आपका व्यय होता रहेगा। साथ ही घर की साज सज्जा की वस्तुओं यथा फर्नीचर टेलीफोन आदि भौतिक उपकरणों पर भी आपका समय समय पर व्यय होता रहेगा लेकिन आप व्यय पहले करेंगे बाद में अपना आर्थिक बजट देखेंगे इससे यदा कदा व्ययाधिक्य के कारण आप कर्ज आदि ले सकते है लेकिन इससे कोई परेशानी नहीं होगी तथा आप आसानी से कर्ज वापस कर देंगे।

आप नवीन विचारों की खोज में हमेशा मननशील रहेंगे तथा जीवन में नवीन आयाम भी प्राप्त करेंगे। साथ ही यात्रादि से भी आपकी इस क्षेत्र में उन्नति होगी आप शिक्षा, सरकारी अथवा कम्पनी के कार्य से विदेश यात्रा भी कर सकते है तथा इन यात्राओं से आपको भविष्य में पूर्ण लाभ होगा। इसके अतिरिक्त आप विदेश में लम्बी अवधि तक प्रवास भी कर सकते है जो आर्थिक एवं सामाजिक स्तर बढ़ाने के लिए लाभदायक सिद्ध होगा। इससे आपके रहन–सहन, खान पान एवं अन्य क्षेत्रों में उन्नति कारक परिवर्तन दृष्टिगोचर होंगे।

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

DUASTRO

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA

DUASTRO

DAILY HOROSCOPE || CALL ASTROLOGER || ASTROLOGY PRODUCTS || ONLINE PREDICTION || ONLINE POOJA